Q. संयोजन से आप क्या समझते हैं? शीर्ष संयोजन तथा क्षैतिज संयोजन में अन्तर स्पष्ट करें।

Ans:- साधारण बोलचाल की भाषा में संयोजन का अर्थ दो या दो से अधिक व्यक्तियों अथवा संस्थाओं द्वारा समान उद्देश्यों के लिए अपने प्रयत्नों तथा प्रयासों को संयोजित करना है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि दो या दो से अधिक व्यवसायिक या औद्योगिक इकाईयों द्वारा आपसी प्रतिस्पर्धा को दूर करते हुए अधिक लाभ प्राप्त करने हेतु आपस में मिलने को संयोजन कहते हैं।

(i) Dr. M.L Kothari ने इसकी परिभाषा इस प्रकार दी है:- संयोजन से आशय विनियोजित पूँजी पर अधिकाधिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से किन्हीं दो या दो से अधिक एकाकी तथा समामेलित औद्योगिक इकाईयों को औपचारिक अथवा अनौपचारिक रूप से मिलाने से है जो समान अथवा विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का उत्पादन कर रही है अथवा किसी वस्तु के निर्माण की क्रमबद्ध प्रक्रियाओं में लगी हुई है।"

(ii) Prof. L.H. Haney के अनुसार:- "यह किसी सामान्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए वर्ग या संगठन बनाने के लिए व्यक्तियों का मात्र एक संगठन है।"

उपर्युक्त विद्वानों की परिभाषा देखने से पता चलता है कि संयोजन के निम्नलिखित विशेषताएँ हैं:-

(1) यह व्यवसायिक इकाईयों के आपसी सहयोग से बना हुआ एक संघ है।
(2) संयोजन व्यवसाय में लगे हुए इकाईयों का एक संघ है चाहे इन इकाईयों का संगठन किसी तरह का हो पर इन इकाईयों का सम्बन्ध व्यवसाय में ही होना चाहिए।
(3) यह एक विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए आपस में संयोजित होती है।
(4) एक संयोजन में व्यावसायिक इकाईयों पर आंशिक रूप से या पूर्णतः नियंत्रण स्थापित होता है।

यूँ तो संयोजन कई प्रकार के होते हैं पर इनमें मुख्य दो हैं:-

(1) शीर्ष संयोजन (Vertical Combination):- प्रो० रॉबिन्सन ने इस सम्बन्ध में कहा है कि, "एक ही व्यापार या उद्योग के विभिन्न क्रमागत क्रियाओं को सम्पन्न करने वाली इकाईयों आपस में संयोजित हो जाती हैं तो उसे शीर्ष संयोजन कहते हैं।" अर्थात् इसका उद्देश्य एक ही उद्योग की भिन्न-भिन्न क्रियाओं को सम्पन्न करने वाली स्वतंत्र इकाईयों को संस्था के रूप में संगठित करना है अर्थात् एक बड़ी संस्था या निगम द्वारा उत्पादित की गई समस्त इकाईयों जिसका प्रारंभ कच्चे माल से

तथा अंत तैयार माल के होता है इनको जोड़ देना ही शीर्ष संयोजन कहा जाता है उदाहरण के लिए हम कपास का उद्योग को ले सकते हैं। इसके कई औद्योगिक इकाईयाँ होती है जैसे - सूत कताई कम्पनी, कपड़ा बुनाई कम्पनी, कपड़ा रंगाई कम्पनी, कपड़ा सिलाई कम्पनी में सभी स्वतंत्र इकाईयाँ है पर अगर ये सभी इकाईयाँ आपस में संयोजित हो जाती है तो इसे ही शीर्ष संयोजन कहा जाता है। शीर्ष संयोजन में सभी इकाईयों को कच्चा माल खरीदने तथा तैयार माल बेचने में काफी सुविधा होती है।

(2) क्षैतिज संयोजन (Horizontal Combination) :- इसमें एक ही तरह का व्यापार करने वाली दो या दो से अधिक औद्योगिक इकाईयाँ आपस में मिल जाते है और अपनी एक केन्द्रीय व्यवस्था बना लेते हैं उसका संचालन एवं प्रबन्ध करती है। इसी को क्षैतिज संयोजन कहा जाता है। ऐसे संयोजन प्राय: व्यापारिक क्षेत्रों में ही पाया जाते हैं उदाहरण के लिए :- इंगलैण्ड का इम्पीरियल टोबैको कम्पनी जो वहा तम्बाकू और सिगरेट बनाने वाले का संयोजन है और भारत में भी इसके कई उदाहरण है, जैसे A.C.C. सीमेन्ट आदि।

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर हम मुख्य अन्तर स्थापित कर सकते है :-

शीर्ष संयोजन	क्षैतिज संयोजन
(1) इसमें कच्चे माल की निश्चितता रहती है, क्योंकि प्रथम इकाई से जो तैयार माल रहता है वही अगले इकाई का कच्चा माल होता है।	(1) इसमें ऐसी कोई निश्चितता नहीं रहती है क्योंकि इसके प्रत्येक इकाईयों को एक ही प्रकार की कच्चे माल की आवश्यकता होती है।
(2) इसमें तैयार माल की बिक्री की चिन्ता नहीं रहती है क्योंकि इसके संयोजित हो जाने से एक दूसरे इकाई अपना तैयार माल दूसरे इकाई के यहाँ बेचता है।	(2) लेकिन इसमें ऐसी व्यवस्था नहीं है जिसके फलस्वरूप प्रतियोगिता रहती है।
(3) इसमें महाजनों को मिलने वाला लाभ समाप्त हो जाता है क्योंकि एक इकाई के उत्पादक का दायित्व दूसरे उत्पादक से रहता है।	(3) इसमें ऐसी प्रथा नहीं है जिसके अर्थ है कि इसमें महाजनों की आवश्यकता रहती है।

शीर्ष संयोजन	क्षैतिज संयोजन
(4) इसमें माल के किस्म में सुधार होता है क्योंकि इसमें उत्पादन के विभिन्न चरणों का एकीकरण हो जाने से विभिन्न विधियों की उत्पादन पद्धति में सामंजस्य रहता है।	(4) लेकिन क्षैतिज संयोजन में माँग और पूर्ति का संतुलन आपसी समझौता द्वारा होता है।
(5) इसमें लाभों में काफी मितव्ययिता होती है जिससे सदस्यों का लाभ अधिक होता है।	(5) इसमें सदस्यों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो जाती है क्योंकि छोटी-छोटी इकाइयाँ आपस में मिलकर एक हो जाती है जिससे सुविधा प्राप्त होती है।
(6) इसमें व्यापार चक्रों के बुरे प्रभाव से आसानी से बचा जा सकता है।	(6) पर यह व्यापार चक्र को अपने से अलग कर ही नहीं सकता है।
(7) इसमें सरकारी नियंत्रण की सुविधा नहीं रहती है।	(7) पर इसमें सरकारी नियंत्रण की सुविधा रहती है।
(8) इसमें विशेषज्ञों की सेवाएँ पूर्णतः प्राप्त होती हैं।	(8) लेकिन क्षैतिज संयोजन में केवल उत्पादन में विशिष्टीकरण होता है